ओमशान्ति मीडिया

18 जनवरी, विश्व शांति दिवस पर विशेष...

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-21 अंक-18 दिसम्बर-II-2019 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50

अद्भुत! अविश्वसनीय! अकल्पनीय!
अवर्णनीय! अनुभवी व्यक्तित्व की यात्रा

लेखराज की कर्म लेखनी से लेखनीबद्ध हुए प्रजापिता ब्रह्मा

इतिहास व्यक्ति के व्यक्तित्व का एक आइना होता है, लेकिन इतिहास रचने वाला हर पल, हर क्षण अपने आप को सम्भालता और संवारता रहता है, कि अगर एक भी मेरा कर्म ऐसा हुआ जिससे मेरे चरित्र पर दाग लगे, तो मेरा इतिहास जो हमारी आने वाली पीढ़ियां उसको पढ़ेंगी, तो उनके ऊपर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा! ऐसा ही इतिहास जो अविस्मरणीय है, अकल्पनीय है, लिखा किसी ने। जिन्होंने एक साधारण मानव से सृष्टि के निर्माणकर्ता तक की यात्रा 33 वर्षों में सम्पूर्णता के साथ सम्पन्न की।

भक्ति रस के भाव वाले, मानवता के हितकारी, हीरों के पारखी, दादा लखी ने लिखा एक ऐसा संस्मरण, जो पूरी मानवता के सुख व समृद्धि के कई जन्मों का आधार बना। सृष्टि के प्रथम मानव की ऐसी उपाधि मिली, वो भी किससे, जो सृष्टि के नियन्ता परमात्मा हैं, ने उपाधिस्त रूप से नाम दिया प्रजापिता ब्रह्मा। ये वही ब्रह्मा हैं जिन्हें सृष्टि की रचना के लिए निमित्त समझा गया।

रचनाकार की प्रथम रचना ने कर्म की एक ऐसी राह पकड़ी, जिसकी कभी किसी से विस्मृति होगी नहीं। एक बार संकल्प किया, तो रच दी सृष्टि। उन्हीं की सविस्तार कहानी आपको अगले पन्नों पर उभरती हुई मिलेगी, जिन्होंने ऐसा कर्म किया जो पूरी मानवता उनके आगे नतमस्तक हो जाये।

सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला, राजयोगिनी ब्र.कु. योगिनी, राजयोगिनी ब्र.कु. गीता तथा अतिथिगण।

व्यापार में अध्यात्म को स्थान दें- सक्सेना

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'परमात्म शक्ति द्वारा व्यापार एवं उद्योग में समृद्धि' विषय पर अखिल भारतीय सम्मेलन

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञानसरोवर स्थित हार्मनी हॉल में व्यापार और उद्योग सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन में एन.एम.आई.एम.एस. यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. राजन सक्सेना ने कहा कि आध्यात्मिकता की शक्ति अविनाशी पूंजी है, जो कभी भी नष्ट नहीं होती है। आध्यात्मिक शक्ति की कमी ही सर्व समस्याओं का कारण है। राजयोग से अंतर्निहित शक्तियां जागृत होती हैं, जो किसी भी समस्या का समाधान करने का मार्ग खोलती हैं। महाराष्ट्र शासन हाउसिंग डिपार्टमेंट के उप सचिव रामचंद्र धनावड़े ने कहा कि ईमानदारी, अनुशासन, पारदर्शिता, सम्बंधों में समरसता श्रेष्ठ व्यापारी के आभूषण हैं, जिन्हें सदा साथ रखना चाहिए। ज्ञानसरोवर निदेशिका राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी ने कहा कि स्थूल धन के साथ अविनाशी धन का होना भी ज़रूरी है। अविनाशी धन अर्थात् प्यार, सम्मान, सहयोग आदि देने से बढ़ता जाता है। जो अध्यात्म से ही प्राप्त होता है। व्यापार और उद्योग प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका एवं वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. योगिनी दीदी ने सभी प्रतिनिधियों को राजयोग का मर्म बताते हुए कहा कि मन-बुद्धि को परमात्मा पर टिकाना, आत्मा को परमात्मा के साथ जोड़ना ही राजयोग है। इस योग से हमारी मानसिक बीमारियां समाप्त हो जाती हैं और आंतरिक शक्तियों का विकास होता है। डायरेक्टर मिनिस्टर केयर ग्रुप, यू.के. से आईं अल्का बहन ने कहा कि हमें व्यापार वृद्धि करने के साथ स्वयं के आंतरिक विकास के बारे में सोचना चाहिए। जिसका अनुभव हम इस परिसर में कर सकते हैं। व्यापार और उद्योग प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. गीता ने ज्ञानसरोवर के बारे में विस्तार से बताया। ब्र.कु. हरीश ने विचार रखे, ब्र.कु. लाल ने आभार प्रकट किया व मंच संचालन ब्र.कु. नम्रता ने किया।

सशक्त किसान से बनेगा सशक्त राष्ट्र

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेन्टर में आयोजित 'किसान सशक्तिकरण सम्मेलन' को सम्बोधित करते हुए पंचायत राज मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव डॉ. संजीव पतजोशी ने कहा कि किसानों का कौशल विकास ज़रूरी है। किसानों की जागरुकता के लिए समय-समय पर उन्हें आधुनिक साधन उपलब्ध होने चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ आध्यात्मिक विचारों से किसानों के मनोबल को बढ़ाने का सराहनीय कार्य कर रहा है। कृषि सहयोग एवं किसान कल्याण विभाग,कृषि मंत्रालय,भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव बी. प्रधान ने कहा कि प्रकृति के साथ आत्मा का सुन्दर संवाद ही श्रेष्ठ जीवन का आधार है। हमारा श्रेष्ठ चिंतन ही प्रकृति को सुखदाई बनाता है। किसानों को प्रकृति के साथ संजीदा रहकर कार्य करना चाहिए। संस्था के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि हम अपने दिव्यगुणों के द्वारा ही एक बेहतर समाज एवं विश्व का निर्माण कर सकते हैं। इस अवसर पर ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि प्रकृति भी हमारे मनोभावों को ग्रहण करती है। हमारे शुद्ध एवं सात्विक विचारों का प्रभाव प्रकृति को शक्तिशाली बनाता है। ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. सरला दीदी,मेहसाणा,गुजरात ने कहा कि सशक्त किसान से राष्ट्र भी सशक्त होगा, जिसके लिए आध्यात्मिक जागृति की महति आवश्यकता है। प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. राजू,माउण्ट आबू ने कहा कि राजयोग के ज्ञान एवं अभ्यास से ही हमारे अंदर समस्याओं का सामना करने की शक्ति उत्पन्न होती है।

सम्बोधित करते हुए राजयोगी ब्र.कु. राजू। मंचासीन ब्र.कु. आशा दीदी, ब्र.कु. सरला दीदी तथा अन्य।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित किसान सशक्तिकरण सम्मेलन में पहुंचे कृषि जगत से जुड़े हज़ारों लोग

ब्र.कु. राजेन्द्र,पलवल ने जैविक एवं यौगिक खेती के बारे में जानकारी दी। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रही यौगिक खेती के बारे में भी बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिल्ली, मजलिस पार्क से आईं ब्र.कु. राजकुमारी के स्वागत वक्तव्य द्वारा हुआ। अंत में दिल्ली से आए ब्र.कु. जयप्रकाश ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. प्रमिला ने किया। इस अवसर पर दिल्ली एवं एन.सी.आर. से अनेक लोगों ने शिरकत कर सम्मेलन का लाभ उठाया।